

01. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने को समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक अवसर बताया।
02. राजस्व और भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने कहा — भूमि सर्वे के लिए स्वघोषणा के साथ जमीन के सभी कागजात तत्काल देना जरूरी नहीं है। बाद में भी जमा किये जा सकते हैं दस्तावेज।
03. बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी सरकारी विद्यालयों के संचालन समय में परिवर्तन किया गया। सात अप्रैल से एक जून तक विद्यालयों का संचालन सुबह छह बजकर तीस मिनट से दोपहर बारह बजकर तीस मिनट तक होगा।
04. और, हिन्दी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता मनोज कुमार का निधन। कल होगा अंतिम संस्कार।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन विधेयक और मुसलमान वक्फ निरसन विधेयक पारित होना सामाजिक—आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक अवसर है। श्री मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में संसदीय समिति के विचार—विमर्श में भाग लेने वाले सभी सांसदों का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने उन लोगों को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने संसदीय समिति को अपने बहुमूल्य सुझाव भेजे। श्री मोदी ने कहा कि वक्फ प्रणाली में दशकों से पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव रहा, जिससे निर्धन मुस्लिमों, महिलाओं और पसमांदा मुस्लिमों के हितों को नुकसान पहुंचा। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद से विधेयक पारित होने से पारदर्शिता बढ़ेगी और लोगों का हित सुरक्षित होगा। श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार का उद्देश्य अधिक सुदृढ़ और समावेशी भारत का निर्माण करना है। श्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार प्रत्येक नागरिक की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

गृहमंत्री अमित शाह ने संसद द्वारा वक्फ संशोधन विधेयक—दो हजार पच्चीस को मंजूरी दिए जाने को ऐतिहासिक बताया है। सोशल मीडिया पोस्ट में श्री शाह ने कहा कि इससे वर्षों से चले आ रहे अन्याय और भ्रष्टाचार का अंत हुआ है और न्याय तथा

समानता का युग शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि इस विधेयक से वक्फ बोर्ड और वक्फ संपत्तियां अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और न्यायसंगत होंगी। उन्होंने कहा कि इससे मुस्लिम समुदाय के गरीबों, महिलाओं और बच्चों को निश्चित रूप से लाभ होगा। गृहमंत्री ने इस महत्वपूर्ण विधेयक के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू को बधाई दी। उन्होंने इसका समर्थन करने वाले सभी दलों और सांसदों का भी आभार व्यक्त किया।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दो याचिका दायर की गयी है। एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी और किशनगंज से कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने यह याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि विधेयक पूरी तरह असंवैधानिक है। इधर, कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इसका संज्ञान लेगा और इस बिल को जल्द से जल्द खारिज किया जाएगा।

——बाइट——

भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों में पूरी तरह से संविधान के अनुसार पारित हुआ है। इस विधेयक को अदालत में चुनौती देने के कांग्रेस नेता के बयान पर भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने संसद के बाहर मीडिया से बातचीत में कहा कि किसी को अदालत में जाने से कोई नहीं रोक रहा है।

——बाइट——

ये जो वक्फ संशोधन बिल है, यह बिलकुल संविधान संमत है। संविधान के मौलिक अधिकार की धारा 15 में इस बात का प्रावधान है कि महिलाओं के विकास के लिए, पिछड़े समाज के विकास के लिए सरकार कानून बना सकती है।

वक्फ बिल को समर्थन देने के बाद जदयू से कई मुस्लिम नेताओं के इस्तीफा देने पर प्रतिक्रिया देते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने कहा है कि इन नेताओं का कोई जनाधार नहीं है। नई दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस्तीफा देने वाले कासिम अंसारी ने पिछले विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम के टिकट पर ढाका विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा था और उन्हें मात्र चार सौ निन्यानवे वोट मिले थे।

-----बाइट-----

उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने वक्फ बिल के पारित होने को ऐतिहासिक बताया है। आज पटना में संवाददाताओं से बातचीत में श्री सिन्हा ने कहा कि इस बिल से वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता आएगी। उन्होंने कहा कि यह बिल गरीब, शोषित और पिछड़े तबके के मुस्लिम समाज के लिए फायदेमंद साबित होगा।

-----बाइट-----

राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने कहा है कि वक्फ संशोधन विधेयक पूरी तरह असंवैधानिक और धर्मनिरपेक्षता की मूल भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार दोनों सदनों में बहुमत रहने के कारण इस बिल को पास कराने में सफल हुयी। सरकार ने इस मामले में कभी भी संजीदगी नहीं दिखाई।

-----बाइट-----

जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की धर्मनिरपेक्ष विचार धारा पर सवाल नहीं खड़े किये जा सकते हैं। पटना में संवाददाताओं से बातचीत में श्री कुमार ने कहा कि नीतीश कुमार ने मुसलमानों की भलाई के लिए कई काम किये हैं।

-----बाइट-----

राजस्व और भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने कहा है कि भूमि सर्वे के लिए स्वघोषणा के साथ जमीन के सभी कागजात देना जरूरी नहीं है। जमीन के जितने कागजात रैयत के पास उपलब्ध हैं, वे तत्काल उतने कागजात ही जमा कर सकते हैं। बाकी के कागजात किस्तवार और खानापूरी के समय जमा करना होगा। मंत्री ने बताया कि इकतीस मार्च तक एक करोड़ पंद्रह लाख स्वघोषणा प्राप्त हुआ है।

हिन्दी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता मनोज कुमार का आज निधन हो गया। वे सत्तासी साल के थे और पिछले कई दिन से बीमार चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार कल सुबह मुंबई के विले पार्ले में होगा। मनोज कुमार ने भारतीय दर्शकों को कई यादगार फिल्में दी हैं, जिनमें उपकार, रोटी कपड़ा और मकान, क्रांति, शोर तथा पूरब और पश्चिम प्रमुख हैं। एक श्रद्धांजलि.....

—रिपोर्ट—

24 जुलाई 1937 को एबटाबाद में हरिकिशन गोस्वामी के रूप में जन्मे मनोज कुमार ने हिंदी सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाई। 1965 का वर्ष उनके करियर में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जब उन्होंने शहीद भगत सिंह के जीवन पर आधारित फिल्म शहीद में मुख्य किरदार निभाया।

गीत—

इसके बाद उनकी फिल्मों में देशभक्ति की गहरी भावना झलकने लगी, जिससे वे भारतीय दर्शकों के दिलों में बस गए और भारत कुमार के नाम से प्रसिद्ध हो गए। ३

फिल्म संवाद

उपकार और पूरब और पश्चिम जैसी उनकी प्रसिद्ध फिल्में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को दर्शाती हैं।

फिल्म संवाद

मनोज कुमार ने लगभग चार दशकों के अपने लंबे करियर में भारतीय सिनेमा को अपार योगदान दिया, और उन्हें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार तथा सात फिल्मफेयर पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। भारत सरकार ने 1992 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया। उनकी विरासत को और मजबूत करते हुए, 2015 में उन्हें भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादासाहेब फालके पुरस्कार से नवाजा गया।

गीत

अंकिता आपटे, आकाशवाणी समाचार, मुंबई।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव समेत फिल्म, कला और राजनीति जगत से जुड़े लोगों ने मनोज कुमार के निधन पर गहरा दुख जताया है।

प्रदेश में मौसम शुष्क बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अड़तीस दशमलव आठ डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ खगड़िया सबसे गर्म स्थान रहा। मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि अगले तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में एक से तीन डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

—बाइट—

शिक्षा विभाग ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी सरकारी विद्यालयों के संचालन समय में परिवर्तन किया है। सात अप्रैल से एक जून तक प्रारंभिक और माध्यमिक

विद्यालयों का संचालन सुबह छह बजकर तीस मिनट से दोपहर बारह बजकर तीस मिनट तक होगा।

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने नई दिल्ली से दरभंगा के लिए एक नई उड़ान सेवा की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि इस नई सेवा से प्रदेश में पर्यटन और आर्थिक विकास को बल मिलेगा। इस मौके पर जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा और दरभंगा के सांसद गोपालजी ठाकुर भी उपस्थित थे।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चैती छठ महापर्व का चार दिवसीय अनुष्ठान आज संपन्न हो गया। लोगों ने आज सुबह गंगा, कोसी, गंडक, बागमती और सोन समेत विभिन्न नदी घाटों, तालाबों, जलाशयों और अस्थायी घाटों पर भागवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया।

और अब अंत में मुख्य समाचार, एक बार फिर.....

01. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संसद के दोनों सदनों से वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने को समावेशी विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक अवसर बताया।
 02. राजस्व और भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने कहा – भूमि सर्वे के लिए स्वघोषणा के साथ जमीन के सभी कागजात तत्काल देना जरूरी नहीं है। बाद में भी जमा किये जा सकते हैं दस्तावेज।
 03. बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी सरकारी विद्यालयों के संचालन समय में परिवर्तन किया गया। सात अप्रैल से एक जून तक विद्यालयों का संचालन सुबह छह बजकर तीस मिनट से दोपहर बारह बजकर तीस मिनट तक होगा।
 04. और, हिन्दी फिल्मों के जाने-माने अभिनेता मनोज कुमार का निधन। कल होगा अंतिम संस्कार।
-

इसके साथ ही आकाशवाणी, पटना से प्रसारित प्रादेशिक समाचार का ये अंक समाप्त हुआ।